

पाठ-३ इन्द्रियाँ

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर



99260-40137

जैन कौन ?

- ❁ जिन का भक्त सो जैन
- ❁ जिन-आज्ञा को माने सो जैन
- ❁ जिनदेव के बताये मार्ग पर चलने वाला
ही सच्चा जैन है

जिन किसे कहते हैं ?

- ❁ जिसने मोह-राग-द्वेष
- ❁ और इन्द्रियों को जीता
- ❁ वही जिन है, वही भगवान है

इन्द्रिय किसे कहते हैं?

- ❁ जो शरीर के चिह्न आत्मा का ज्ञान कराने में सहायक हैं वे ही इन्द्रियाँ हैं।
- ❁ जानता तो आत्मा ही है, इन्द्रियाँ तो निमित्त मात्र हैं।

इन्द्रियाँ कितनी हैं ?

पाँच

कौन-कौन सी ?

स्पर्शन

घ्राण

कर्ण

रसना

चक्षु

स्पर्शन इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

❁ जिससे छू जाने पर

❁ हल्का-भारी, रूखा-चिकना, कड़ा-
नरम और ठंडा-गरम का ज्ञान होता है ।

रसना इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

❁ जीभ को

❁ जिससे खट्टा, मीठा, कड़वा,
कषायला और चरपरा स्वाद का
ज्ञान होता है ।

घ्राण इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

◉ नाक को

◉ जिससे सुगन्ध और दुर्गन्ध का ज्ञान होता है।

चक्षु इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

• आँख को

• जिससे काला, नीला, पीला, लाल और सफेद आदि रंगों का ज्ञान होता है ।

कर्ण इन्द्रिय किसे कहते हैं ?

◉ कान को

◉ जिनसे हम सुनते हैं , वे ही कर्ण
या श्रोत्र इन्द्रिय कहे जाते हैं।

जानता तो आत्मा ही है, इन्द्रियाँ
तो निमित्त मात्र हैं

किस जीव के कितनी इन्द्रियाँ होती हैं?

जीव	इन्द्रियाँ
एकेन्द्रिय	१-स्पर्शन
द्वीन्द्रिय	२-स्पर्शन, रसना
त्रीन्द्रिय	३-स्पर्शन, रसना, घ्राण
चतुरिन्द्रिय	४-स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु
पंचेन्द्रिय	५-स्पर्शन, रसना, घ्राण, चक्षु, कर्ण

एकेन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

पृथ्वी

अग्नि

वनस्पति

जल

वायु

द्वीन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- ❁ लट
- ❁ शंख
- ❁ सीप
- ❁ केंचुआ
- ❁ जोंक आदि

त्रीन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- ❁ चींटी
- ❁ जू
- ❁ लीख
- ❁ खटमल
- ❁ बिच्छू आदि

चतुरिन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- ❁ मच्छर
- ❁ भौंरा
- ❁ मक्खी
- ❁ तितली
- ❁ डांस
- ❁ पतंगा आदि

पंचेन्द्रिय जीव कौन-कौन हैं?

- ❁ मनुष्य
- ❁ देव
- ❁ नारकी
- ❁ पशु-पक्षी

इन्द्रियों
को क्यों
जीतना
हैं ?

ॐ क्या वे
हमारी शत्रु हैं ?

ॐ वे तो ज्ञान में
सहायक हैं ना

हाँ, संसारी जीव को
इन्द्रियाँ ज्ञान के काल में
निमित्त होती हैं

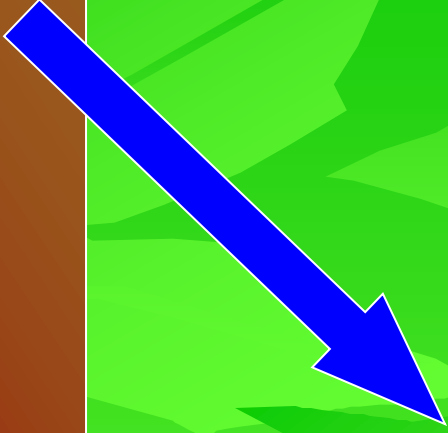
परंतु इन्द्रियाँ
विषय-भोगों
में उलझाने में
भी तो निमित्त
होती हैं ?

ॐ अतः इन्हें
जीतने वाला
ही भगवान
बन पाता है ।

❁ तो इन्द्रियों के भोगों को
छोड़ना चाहिए

❁ इन्द्रिय ज्ञान को
तो नहीं?

ये पाँचों ही
इन्द्रियाँ किस
वस्तु के
जानने में
निमित्त हैं ?

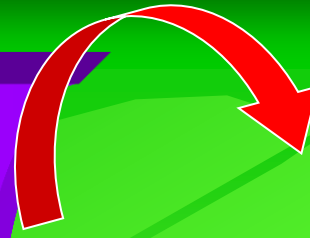


◉ ज्ञान के काल में
◉ सिर्फ पुद्गल
(स्पर्शादि गुण)
का ज्ञान कराने में

स्पर्श, रस, गंध और वर्ण तो
पुद्गल के गुण हैं

आवाज व शब्द पुद्गल
की पर्याय है

इन्द्रियाँ
किसके
जानने में
निमित्त
नहीं हैं?



❁ आत्मा के
❁ क्योंकि आत्मा
अमूर्तिक है,
❁ स्पर्श, रस,
गंध, वर्ण और
आवाज, शब्द से
रहित है

आत्मा का हित तो
आत्मा के जानने में है

अतः आत्मा को न जानने से
इन्द्रिय-ज्ञान भी तुच्छ है

हेय-उपादेय

हेय

इन्द्रिय-सुख (भोग)

पर (पुद्गल) को
जानने वाला इन्द्रिय
ज्ञान

उपादेय

अतीन्द्रिय

आनन्द/सुख

आत्मा को जानने
वाला अतीन्द्रिय ज्ञान